देश में अखाद्य तेलों की कम उपलब्धता को पूरा करने के उद्देश्य से सरकार पी० एफ० ए० डी० /सी० पी० एस० का समय-समय पर आयात करती है । पी० एफ० ए० डी० क आयात केवल साबुन बनाने वाले लघु एककों के लिए ही किया जाता है । वर्तमान स्थिति में भी सरकार ने पी० एफ० ए० डी० के आयात के माध्यम से साबुन बनाने वाले लघु एककों की मदद करने का निर्णय लिया है ।

घटिया कच्ची सामग्री के कारण कम उत्पादन

3448. **श्री रशीद मसूद : क्या उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान पंजाब, हरियाणा और दिल्ली वाणिज्य एवं उद्योग मंडल द्वारा हाल ही में किए गए एक सर्वेक्षण की ओर दिलाया गया है, जिसमें कहा गया है कि वर्ष की पहली तिमाही में, कच्चे माल की घटिया क्वालिटी के कारण और उसकी कमी के कारण भी, वस्त्र, रसायन, रबड़, चीनी और इंजीनियरिंग उद्योग में बहुत कम उत्पादन हुआ है ; और

(ख) यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है तथा इस संबंध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

उद्योग मंत्रालय में औद्योगिक विकास विभाग में राज्य मंत्री (श्री एम० अरूणाचलम): (क) और (ख) सरकार ने पंजाब, हरियाणा और दिल्ली वाणिज्य एवं उद्योग मंडल द्वारा किए गए सर्वेक्षण की रिपोर्ट देख ली है। इस रिपोर्ट में इस बात का दावा किया गया है कि उत्तरी क्षेत्र में कुछ क्षेत्रों में कच्चे माल तथा निवेशों की अपर्याप्त आपूर्ति के कारण औद्योगिक उत्पादन बुरी तरह से प्रभावित हुआ है ।

तथापि, सरकार के पास उपलब्ध आंकड़ों से यह पता नहीं चलता है कि इसमें पर्याप्त ह्रास हुआ है । केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन द्वारा संकलित किए गए अखिल भारतीय औद्योगिक उत्पादन के त्वरित सूपकांड से यह पता चलता है कि जनवरी फरवरी, 1987 के दौरान 14.6 प्रतिशत विकास की दर की तुलना में वर्ष 1986 की तदनुरूप अवधि में यह 5.8 प्रतिशत थी ।

कोयले के उत्पादन में वृद्धि

3449. **श्री रशीद मसूद : क्या ऊर्जा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में कोयले के उत्पादन में निरन्तर वृद्धि हो रही है ;

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान प्रतिवर्ष कोयले का कितना उत्पादन हुआ एवं इन वर्षों में प्रति वर्ष कोयले की उत्पादन लागत पर कितनी धन-राशि व्यय की गई ; और

(ग) क्या यह सच है कि अब कोल इंडिया लि० ने कोयले की उत्पादन लागत में कमी करने का लक्ष्य बना लिया है तथा इस संबंध में एक योजना भी तैयार की है और यदि हां, तो इसका ब्यौरा क्या है ?

ऊर्जा मंत्री (श्री वसंत साठे) : (क) जी हां ।

(ख) पिछले तीन वर्षों में कोयले का कुल उत्पादन निम्नलिखित रहा :—

	(मि०टन)
1984-85	147.41
1985-86	154.20
1986-87	163.9

कोयले के मुख्य उत्पादक, कोल इंडिया लि० का उत्पादन कुल उत्पादन का लगभग 85 प्रतिशत रहा । कोल इंडिया लि० के

उत्पादन पर आई लागत लेखा-परीक्षित शर्तों के आधार पर नीचे दी गई है :--

(पये करोड़ में)

वर्ष	उत्पादन (मि० टनों में)	कोयला कोल आदि की बिक्री से राजस्व	घाटा पूर्व-अवधि समंजनों सहित	उत्पादन की आंगिक लागत
1983-84	121.41	1992.03	242.69	2234.72
1984-85	130.81	2438.69	78.03	2516.72
1985-86	134.11	2662.10	404.18	3066.26

वर्ष 1986-87 के खाते तैयार होने बाकी हैं ।

(ग) कोल इंडिया लि० उत्पादन लागत को कम करने के लिए प्रयास कर रहा है । इस संबंध में अपनाए जा रहे उपाय हैं । प्रशासनिक खर्च घटाकर परिचालन की क्षमता में सुधार, कार्मिकों और मशीनों का बेहतर प्रयोग, बेहतर प्रबन्ध पद्धतियों और तकनालाजी का प्रयोग शुरू करना ।

आयातित तेल का मूल्य

3450. **श्री अजीत सिंह : क्या पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि इस वर्ष आयातित तेल का मूल्य गत वर्षों की अपेक्षा अधिक होगा ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में ब्योरा क्या है ; और

(ग) इस मूल्य वृद्धि के कारण क्या हैं ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री ब्रह्म दत्त) : (क) जी, हां ।

(ख) इस समय मूल्य वृद्धि का सही अनुमान लगाना कठिन है ।

(ग) अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में मूल्य का सामान्य स्तर अधिक ऊंचा है । यह भी अनुमान लगाया गया है कि आयात किये जाने वाले कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की मात्रा पिछले वर्ष की तुलना में अधिक होगी ।

Schemes under non-conventional energy sources

3451. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of ENERGY be pleased to state:

(a) whether Government have drawn up some schemes during the current plan period for development of non-conventional energy sources for implementation in tribal areas;

(b) if so, what is the State-wise number of such schemes; and

(c) what is the number of schemes taken up in Bihar under the above scheme and what are the details thereof?

THE MINISTER OF ENERGY (SHRI VASANT SATHE): (a) to (c) No specific scheme under Non-Conventional Energy Sources has been drawn up for implementation exclusively for tribal areas during the current plan period. However, various programmes like installation of biogas plants, improved chulhas, solar thermal systems, wind pumps and wind-mills,